जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

साप्ताहिक

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

संस्थापित 1965

ہمارا وطن ہفت روزہ

www.hamarawatan.com

FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 61 अंक-42 जयपुर, सोमवार, 10 नवम्बर, 2025 वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) पृष्ठ संख्या 4

150 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली योजना संचालन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी

जयपुर (हमारा वतन)

राजस्थान डिस्कॉम्स ने 150 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत संचालन दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना में पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 150 यूनिट निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम चरण में यह लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए घर की छत उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाकर संयंत्र की क्षमता के अनुसार पीएम सूर्यघर योजना में देय केन्द्रीय अनुदान (अधिकतम 78 हजार रूपए) प्राप्त करेंगे। न्यूनतम 1.1 किलोवाट के संयंत्र पर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 17 हजार रूपए की सब्सिडी भी दी जाएगी, जो डिस्कॉम द्वारा सत्यापन के पश्चात प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

योजना में वही घरेलू उपभोक्ता अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के लिए पात्र होंगे, जो पहले से मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली

योजना में पंजीकृत हैं तथा जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए स्वयं की छत उपलब्ध है। ऐसे उपभोक्ताओं को राजस्थान डिस्कॉम की वेबसाइट https://energy.rajasthan.gov.in, https://vz0unitmuftbijli.bijlimitra.com तथा मोबाइल एप BijliMitra पर सहमति के लिए पंजीकरण कराना होगा।

इसके बाद रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए उन्हें पीएम सूर्यघर योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर एम्पेनल्ड वेंडर का चयन करना होगा। रूफ टॉप सोलर सिस्टम अपनी स्वामित्व वाली छत पर ही स्थापित कराना होगा। रूफ टॉप संयंत्र की आपूर्ति और स्थापना का कार्य पीएम सूर्यघर योजना में एम्पैनल्ड वेंडर द्वारा किया जाएगा। डिस्कॉम के संबंधित सहायक अभियंता द्वारा निरीक्षण कर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किए जाने का सत्यापन किया जाएगा।

फिल्म अभिनेत्री मीनाक्षी परमार बनी राजस्थान फिल्म एसोसिएशन की जयपुर ग्रामीण सचिव

जयपुर (हमारा वतन)। राष्ट्रीय करणी सेना राजस्थान फिल्म एसोसिएशन के संरक्षक शिव सिंह शेखावत ने फिल्म अभिनेत्री मीनाक्षी परमार को राष्ट्रीय करणी सेना राजस्थान फिल्म एसोसिएशन का जयपुर ग्रामीण का सचिव नियुक्त किया है।

फिल्म अभिनेत्री मीनाक्षी परमार ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार जताया है और कहा है कि राजस्थानी सिनेमा के लिए वह लगातार कार्य करती रहेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में राजस्थानी फिल्म इंडस्ट्री के लोग मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय वंदे मातरम् कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय कालाडेरा की रही सक्रिय भागीदारी

जयपुर (हमारा वतन)

सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय कालाडेरा द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एसएमएस स्टेडियम जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। राष्ट्रीय सम्मान व गौरव से ओत-प्रोत इस कार्यक्रम में महाविद्यालयी प्रतिनिधित्व सहभागिता एन.एस.एस., एन.सी.सी., रोवर-रेन्जर्स एवं खेल विभाग आदि के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर जय भारत सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानियों के पथ प्रदर्शक, प्रेरणास्त्रोत, राष्ट्रीय भावना एवं देशभक्ति के भाव को सुदृढ़ करने वाले तथा भारतीय

जनमानस की मूल भावना के उद्घोषक राष्ट्रगीत वंदे मातरम् (जिसकी रचना बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा 07 नवम्बर 1875 को की गई थी) के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है । कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को टी-शर्ट्स, कैप्स व राष्ट्रीय ध्वज का वितरण किया गया। कार्यक्रम का सफल समन्वय एन.एस.एस. अधिकारी संजय सैनी, आशीष टांक, डॉ. शिखा पाटनी, एनसीसी अधिकारी डॉ. अनिल यादव, रोवर-रेन्जर्स के प्रभारी प्रोफेसर मानप्रकाश मीणा एवं डॉ. अनीता ज्याणी तथा खेल विभाग के डॉ आर. एल. मीणा द्वारा किया गया।

शिक्षकों की समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारियों से की वार्ता

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष चौथमल कुमावत के नेतृत्व एवं अतिरिक्त प्रदेश मंत्री बसंत जिंदल के सानिध्य में जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) सुनील कुमार सिंघल तथा जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा) रामनिवास शर्मा से शिक्षक समस्याओं को लेकर वार्ता की ।

जिलामंत्री रमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश अतिरिक्त मंत्री बसंत जिंदल ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को समय पर निस्तारण करने एवं समय-समय पर अधिकारियों एवं संगठन के पदाधिकारी के बीच वार्ता एवं संवाद के बारे में विस्तार से चर्चा की।

जिलाध्यक्ष चौथमल कुमावत ने सत्र 2022- 23 तृतीय श्रेणी के शिक्षकों के

स्थायीकरण, एसीपी प्रकरण एवं प्रतियोगी परीक्षा में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को पुरजोर से अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की। जयपुर जिले के माध्यमिक शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा के जिला शिक्षा अधिकारियों ने सभी बिंदुओं पर स्थायीकरण, एसीपी प्रकरण शीघ्र करने एवं वीक्षक ड्यूटियों पर सकारात्मक विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

वार्ता में जिला महिला मंत्री सुनीता शर्मा, जिला संगठन महिला मंत्री भावना सक्सेना, उपाध्यक्ष विष्णु दत्त गोरासरा, महिला सचिव सपना राठौर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एडवोकेट पवन कुमार प्रजापति ने लिया रोड शो में भाग

अंता (हमारा वतन)। विधानसभा क्षेत्र अंता के मांगरोल में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह द्वारा रोड शो में भाग लिया। इससे पूर्व संजय सिंह का कोटा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर स्वागत किया गया। जिसमें पार्टी की ओर से विधानसभा क्षेत्र चौमूं के पूर्व विधायक प्रत्याशी एडवोकेट पवन कुमार प्रजापति ने भी हिस्सा लिया तथा आम आदमी पार्टी की ओर से चुनाव कोऑर्डिनेशन कमेटी द्वारा चुनाव की रणनीति तैयार की। इसमें आम आदमी पार्टी के समस्त कार्यकर्ता राजस्थान के कोने-कोने से आए हुए हैं। नरेश मीणा की जीत बड़े अंतर से हो इसके लिए सभी कार्यकर्ता एक जूट हैं।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा चौमूँ द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह का हुआ आयोजन

चौमूँ (हमारा वतन)

भारतीय जनता पार्टी चौमूँ द्वारा जय विलास गार्डन में दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसआईआर अभियान प्रदेश संयोजक एवं बगरू विधायक कैलाश वर्मा और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने शिरकत की

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियो द्वारा भारत माता, प.दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। साथ ही कार्यक्रम में शामिल हुए सभी कार्यकर्ताओ का पार्टी का दुप्पटा पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बगरू विधायक कैलाश वर्मा का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया गया। दीपावली स्नेह मिलन और एसआईआर कार्यशाला में ग्राम पंचायतों और नगर परिषद चौमूँ क्षेत्र से सेकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। वंदे मातरम् के 150 वर्षों के ऐतिहासिक अवसर पर झंडा लहराते हुए सभी ने खड़े होकर वंदे मातरम् राष्ट्रगीत गाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश वर्मा ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को अपना बड़ा भाई बताते हुए एसआईआर कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि SIR प्रक्रिया मे भाजपा कार्यकर्ताओं को बीएलए 2 का सहयोग करते हुए अभियान को सफल

बनाना है। उन्होंने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा सभी 232 बूथों पर बीएलए -2 की नियुक्ति कर पार्टी कार्यालय में लिस्ट अपडेट करवाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दीपावली पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ स्तर पर कार्यकर्ता बीएलओ के संपर्क में रहकर एसआईआर अभियान को गति प्रदान करने का कार्य करें, उन्होंने मंडल अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों और बीएलए को उक्त अभियान की मॉनिटरिंग करने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया, फल सब्जी मंडी पूर्व अध्यक्ष दिनेश गोरा, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, श्रीराम शर्मा, बनवारी शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष बजरंग लाल सोनी सहित बूथ अध्यक्ष, बूथों पर नियुक्त बीएलए- 2, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अदबी संगम अवार्ड-2025 से सम्मानित हुए डॉ. गुलाब चंद पटेल

नई दिल्ली (हमारा वतन)। गालिब इंस्टिट्यूट न्यू दिल्ली मे हिन्दी उर्दू अदबी संगम दिल्ली द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड सेरीमनी - 2025 को कार्यक्रम में राजधानी गुजरात के गाँधीनगर के हिन्दी गुजराती साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार, निःशुल्क ज्ञान स्कूल गाँधीनगर के संचालक एवम शिक्षक डॉ गुलाब चंद पटेल को सम्मनित किया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की अनमोल शख्सियात International Renowned personalities Author Dr. Saiyad Ali Akhtar Nakvi लेखक संयोजक की किताब में क्रम 23 पर पेज- 32 पर डॉ गुलाब चंद पटेलअध्यक्ष गाँधी नगर साहित्य सेवा संस्थान चेरी ट्रेवल ट्रस्ट गुजरात को स्थान प्राप्त हुआ है। मेरे ख्वाब मेरे साथ (हिन्दी - उर्दू अदबी संगम, दिल्ली परिचय पत्रिका) डॉ. सैयद अली अख्तर नकवी सम्पादक स्मारिका मे भी डॉ. पटेल की रचना मेरे ख्वाब मेरे साथ पुस्तक मे पेज 25 पर स्थान मिला है। डॉ. पटेल हिन्दी - उर्दू अदबी संगम, दिल्ली द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मान समारोह - 2025 की आयोजन समिति के सदस्य - मार्ग दर्शक है।

इंद्रेश बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल चौमूं में मनाया वंदे मातरम दिवस

चौमूं (हमारा वतन)। इंद्रेश बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल चौमूं में विद्यालय सचिव श्याम किरण शर्मा की अध्यक्षता में वंदे मातरम दिवस मनाया गया।

मुख्य वक्ता शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि वंदे मातरम गीत नहीं राष्ट्र की पहचान है और गौरव का शाश्वत प्रतीक भी है। 7 नवंबर 1875 को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम गीत की रचना की थी। 7 नवंबर 2025 को 150 वर्ष पूर्ण हो गए। वंदे मातरम गीत का राजस्थानी में अनुवाद जयपुर के साहित्यकार इकराम राजस्थानी ने किया। वह

इस गीत को मातृभूमि को समर्पित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं स्टाफ सदस्य वंदे मातरम गीत का गायन राजस्थानी भाषा में भी किया। कार्यक्रम में रीमा अग्रवाल, पूजा कुमावत, वैष्णवी जांगिड़, तन्नू गोरी, कमल सेन, अलीशा मलिक, गुड्डू जांगिड़, राम सिंह सेलिना, लालचंद, बालवीर, पूनम, मनयू आदि स्टाफ सदस्य एवं अनेक अभिभावक गण भी उपस्थित रहे।

हरमाड़ा भीषण सड़क हादसे को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर (हमारा वतन)। जयपुर के हरमाड़ा भीषण सड़क हादसे में अनेक निर्दोष लोगों की मौतें हुई है। इस हादसे में सीकर ज़िले के अजीतगढ़ तहसील के सिपुर गाँव के दो सगे भाइयों, उनकी बेटी और अब एक अन्य घायल बेटी की मौत से गाँव शोक में है। इतनी बड़ी त्रासदी के बावजूद सरकार ने पीड़ित परिवारों की सुध नहीं ली। सरकार की अनदेखी के खिलाफ सिपुर (अजीतगढ़) निवासियों ने शव के साथ विरोध प्रदर्शन किया। मौक़े पर शाहपुरा विधायक मनीष यादव पहुँचे।

उदयपुर जिले का राज्य पुरस्कार स्काउट जांच शिविर हुआ शुरू

जयपुर (हमारा वतन)

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय उदयपुर के तत्तवाधान में जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट एवं रोवर्स अनुशंषा (जांच) शिविर मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र उदयनिवास पर ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ।

उदयपुर जिले के सी ओ स्काउट ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में उदयपुर और सलूंबर जिले के 130 स्काउट्स राज्य पुरस्कार की जांच के लिए शामिल हुए है। पाण्डे ने बताया कि राज्य पुरस्कार स्काउट जांच शिविर के मुख्य परीक्षक राज्य मुख्यालय जयपुर द्वारा नियुक्त किए गए राकेश टांक सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट कर रहे हैं। वोही राज्य पुरस्कार रोवर जांच शिविर के मुख्य संचालक मनमोहन स्वर्णकार सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट मण्डल मुख्यालय उदयपुर कर रहे हैं। संचालन व्यवस्थाओं में परीक्षक वक्तावर सिंह देवड़ा सचिव स्थानीय संघ कुराबड़, गणपत लाल मेनारिया, सचिव महोदय भींडर, मंगल कुमार जैन सचिव

स्थानीय वल्लभनगर, राजवीर सिंह सचिव स्थानीय संघ मावली, सुशील कुमार सेवदा ट्रेनिंग काउन्सलर, तथा सहयोगी दल में विशाल गुप्ता एवं विरेंद्र सिंह चुंडावत रोवर्स सहयोग कर रहे हैं।

सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने बताया कि स्काउट विभाग के प्रधान संचालक राकेश टांक तथा रोवर विभाग के प्रधान संचालक मनमोहन स्वर्णकार के कुशल नेतृत्व में इस जांच शिविर में शामिल सभी स्काउट्स एवं रोवर्स को प्रवेश से राज्य पुरस्कार तक के एपीआरओ भाग दो के अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार लिखित, मौखिक और प्रायोगिक परीक्षाओं से गुजरना होगा। सभी संभागियो को विभिन्न प्रकार के प्रेक्टिकल परीक्षाओं की बारिकी से परीक्षण करवाना होगा उसके बाद सफल संभागियो की राज्य पुरस्कार के लिए अनुशंषा राज्य मुख्यालय जयपुर को भेजी जायेगी।

इस शिविर में सफल होने वाले स्काउट्स एवं रोवर्स को आगामी राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार अवार्ड सेरेमनी में राज्य पुरस्कार स्काउट एवं रोवर्स अवार्ड से नवाजा जाएगा।

जॉब्स

1. इंटेलिजेंस ब्यूरो पद एसीआइओ ग्रेड II, पद संख्या 258, अंतिम तिथि 26 नवंबर 2025
2. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद सांख्यिकी अधिकारी, पद संख्या 113, अंतिम तिथि 26 नवंबर 2025
3. पीएनबी, पद पीएनबी स्थानीय बैंक अधिकारी, पद संख्या 750, अंतिम तिथि 23 नवंबर 2025
4. आरएसएमएसएसबी, पद तृतीय श्रेणी शिक्षक, पद संख्या 7759, अंतिम तिथि 6 दिसंबर 2025
5. आरएसएमएसएसबी, पद जमादार ग्रेड सेकंड, पद संख्या 72, अंतिम तिथि 15 नवंबर 2025
6. आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट लेवल, पद एनटीपीसी ग्रेजुएट लेवल, पद संख्या 5810, अंतिम तिथि 20 नवंबर 2025
7. आरआरबी एनटीपीसी सीनियर लेवल, पद एनटीपीसी सीनियर लेवल, पद संख्या 3058, अंतिम तिथि 27 नवंबर 2025
8. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद जूनियर इंजीनियर, पद संख्या 2569, अंतिम तिथि 30 नवंबर 2025

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश का सड़क तंत्र बन रहा मजबूत

जयपुर (हमारा वतन)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान में सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के लिए सड़कों के विकास कार्य को प्राथमिकता व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कर रही है। इसी क्रम में चरणबद्ध रूप से प्रदेश में राज्य राजमार्गों का निर्माण, सड़कों का क्रमोन्नयन, चौड़ाईकरण व सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, आरओबी, आरयूबी व उच्चस्तरीय पुलों के निर्माण से राज्य के समग्र विकास को नवीन गति मिल रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में सड़कों के विकास पर 24 हजार 976 करोड़ रुपये व्यय कर 36 हजार 140 किलोमीटर सड़कों का विकास किया गया है। वहीं, 28 हजार 600 किलोमीटर लंबी सड़कों के विकास के लिए 14 हजार 816 करोड़ रुपये के 12 हजार 391 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क तंत्र मजबूत बनाने की दिशा में 1 हजार 564 गांव और बसावटों को सड़कों से जोड़ा गया है। साथ ही, 3 हजार 543 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 1 हजार

328 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, 327 अटल प्रगति पथों के निर्माण के लिए 813 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी है। प्रदेश में 22 माह से अधिक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप राजमार्ग सुविधा को बेहतर बनाते हुए निरंतर इनका विकास एवं विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में 8 हजार 194 करोड़ रुपये की लागत से 6 हजार 249 किलोमीटर लंबाई के राज्य राजमार्गों का विकास हो चुका है एवं 2 हजार 547 करोड़ रुपये की लागत से 8 राज्य राजमार्गों में कार्य प्रगति पर है। जिला मुख्यालय से संपर्क को सुगम बनाने के लिए 5 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नयन किया गया है।

सड़को के निर्माण कार्य के शुभारंभ पर ग्रामवासियों ने किया पूर्व विधायक शर्मा का अभिनंदन

जयपुर (हमारा वतन)। ग्राम पंचायत जयसिंहपुरा में पंचमुखी हनुमान मंदिर में ग्रामवासियों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने शिरकत की। ग्राम पंचायत सरपंच श्रवण कुमार यादव के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला और साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया।

ग्राम पंचायत जयसिंहपुरा में पंचमुखी हनुमान मंदिर से कालाडेरा गुलाब तेली की चक्की तक, ग्राम गुवारड़ी से जयसिंहपुरा तक और रेनवाल रोड से गुवारड़ी ग्राम तक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायत में सड़को के निर्माण कार्य से ग्रामीणों को काफ़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार जताया। इस अवसर पर प्रधान रामस्वरूप यादव, उपसरपंचराजेंद्र मीना, भाजपा कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, महामंत्री रिशपाल कुमावत, रामगोपाल मीणा, विष्णु नगर, भगवान सहाय फोजी, छीतरमल यादव, अरविंद यादव, मुकेश चोपड़ा, शिव शर्मा, सतपाल मीणा, भागीरथ मीणा, ओमप्रकाश धमानी, सुरेश, हनुमान, सुशील शर्मा, नंदलाल कुमावत, शंकर बागडा, महेश धमानी, गजानंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बॉलीवुड चटकारा

सोनाक्षी सिन्हा

क्यों ट्रोल्स को जवाब देती हैं? बोलीं- कोई बेवकूफ है जो कहीं...

अमेजन प्राइम वीडियो के चैट शो टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल के लेटेस्ट एपिसोड में सोनाक्षी सिन्हा मेहमान बनकर पहुंचीं। सोनाक्षी सिन्हा उन चुनिंदा हिरोइनों में से एक हैं जो खुलकर अपनी बात करते हैं। सोनाक्षी सिन्हा कई बार ट्रोल्स को अपने बेबाक अंदाज से शांत भी करा देती हैं। अब इस एपिसोड में सोनाक्षी सिन्हा ने ट्रोल्स के बारे में बात की। उन्होंने ये भी बताया कि क्यों वो कई बार ट्रोल्स को जवाब देती हैं।

ट्रोल्स को क्यों जवाब देती हैं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी से पूछा गया कि क्या वो हेट कमेंट्स पर रिएक्ट करती हैं। सोनाक्षी ने काजोल को बताया, मैं बहुत कम जवाब देती हूं, लेकिन जब देती हूं, इसका मतलब है कि आपने मुझे उतना परेशान कर दिया है। वैसे मुझे फर्क नहीं पड़ता है। मैं नजरअंदाज कर देती हूं। मेरे लिए निगेटिविटी बंद करना आसान है, ऐसा हो जाता है कि अब्बे, तू है कौन? तूने मुझे कैसे बोला? आप कोई बेवकूफ हैं जो कहीं पर अपनी कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठे हैं और मेरे से उस तरह से बात कर रहे हैं। चल मैं दिखाती हूं।

ट्रोल्स को हैंडल करने में प्रो हैं सोनाक्षी सिन्हा

इस एपिसोड के दौरान ट्विंकल खन्ना ने सोनाक्षी के कुछ जवाब पढ़े जो उन्हें ट्रोल्स को दिए थे। ट्विंकल ने कहा कि ट्रोल्स को हैंडल करने में सोनाक्षी सिन्हा प्रो हैं।

ट्विंकल ने पढ़े सोशल मीडिया कमेंट्स

एक यूजर ने कमेंट करके लिखा था- मैं सम्मान में तुम्हें आंटी बुलाया, तुमने मुझे ब्लॉक कर दिया। इसपर जवाब देते हुए सोनाक्षी ने लिखा- मैं तुम्हें दोबारा ब्लॉक करने के लिए अनब्लॉक कर दूंगी। एक यूजर ने लिखा था- आपके कैश्पन आपकी फिल्मों से ज्यादा मजेदार होते हैं। इसपर सोनाक्षी ने लिखा था क्योंकि मैं मजेदार इंसान हूं, शायद इसलिए।

सनी लियोनी के साथ कौन होस्ट करेगा स्प्लिट्सविला का नया सीजन? इन नामों की चर्चा

एमटीवी का डेटिंग रियलिटी शो स्प्लिट्सविला के नए सीजन के ऑडिशन शुरू हो गए हैं। शो जल्द ही अपने नए सीजन के साथ वापसी करेगा। रियलिटी शो की फीमेल होस्ट के रूप में सनी लियोनी वापसी करेंगी। वहीं, मेल होस्ट के लिए कई बड़े नाम सामने आ रहे हैं। हालांकि, अभी किसी भी नाम पर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है द फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेल होस्ट के लिए जो नाम सामने आ रहे हैं उसमें करण जौहर, रोहित सराफ, प्रिंस नरूला और रणविजय का नाम सामने आया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी मेल होस्ट के नाम की कोई जानकारी नहीं दी गई है। फैंस सामने आए नामों को लेकर काफी उत्साहित हैं।

करण जौहर और रोहित सराफ- करण जौहर की बात करें तो उन्हें चैट शो कॉफी विद करण के लिए जाना जाता है। करण जौहर बिग बॉस ओटीटी 1 होस्ट कर चुके हैं। रोहित सराफ की बात करें तो हाल ही में उनकी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी रिलीज हुई है। इसके अलावा, रोहित सराफ को नेटफ्लिक्स की सीरीज मिसमैच्ड में लीड रोल में देखा गया था।

रणविजय और प्रिंस नरूला- रणविजय की बात करें तो वो एमटीवी से लंबे वक्त से जुड़े हैं। रणविजय एमटीवी रोडीज के कई सीजन होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा, रणविजय स्प्लिट्सविला के कई सीजन होस्ट कर चुके हैं। प्रिंस नरूला रोडीज और स्प्लिट्सविला के विनर रह चुके हैं। इसके अलावा, प्रिंस रोडीज के लगभग भी सीजन में गैंग लीडर की भूमिका में भी नजर आ चुके हैं।

भाभी जी घर पर है में होने वाली है शिल्पा शिंदे की वापसी शुभांगी अत्रे को करेंगी रिप्लेस

भाभी जी घर पर हैं में कई बार फीमेल लीड किरदार बदल चुके हैं। अंगूरी भाभी का किरदार पहले शिल्पा शिंदे ने निभाया था और उनके जाने के बाद शुभांगी अत्रे नई अंगूरी भाभी बनी थीं। लेकिन अब खबर आ रही है कि शिल्पा शिंदे की शो में वापसी हो रही है। इसके अलावा शो में और कई बड़े बदलाव आने वाले हैं।

क्यों वापस लाना चाहते हैं शिल्पा को- रिपोर्ट्स के मुताबिक शिल्पा शिंदे को अंगूरी भाभी के किरदार के लिए वापसी की तैयारी की जा रही है। मिडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा कहा जा रहा है कि शुभांगी अत्रे को रिप्लेस करके शिल्पा शिंदे अब वापसी कर रही हैं। ये फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि सबको लगता है शो को रिवाइवल चाहिए। 10 साल तक शो चलने के बाद चैनल अब नए एलिमेंट्स को लेकर आना चाहते हैं और कुछ नए किरदार को जोड़ना चाहते हैं।

नया सेट और नई स्टोरी- खबर यह भी है कि एक नए सेट को बना दिया गया है और दर्शकों को बड़े बदलाव दिखने वाले हैं स्टोरीलाइन पर। मेकर्स भाभी जी घर पर है 2.0 की शूटिंग दिसंबर के मिड में शुरू करने वाले हैं। खैर अभी तक ना तो शो के प्रोड्यूसर और ना ही शिल्पा शिंदे इस पर कोई कमेंट किया है। बता दें कि शिल्पा ने साल 2015 में शो में एंट्री ली थी और उनका डायलॉग सही पकड़े हैं काफी हिट हुआ था। इसके बाद कुछ दिक्कतों की वजह से शिल्पा ने साल 2016 में शो छोड़ दिया। फैंस का रिएक्शन इस पर क्या होता है वो देखते हैं क्योंकि शुभांगी ने भी अपनी मासूमियत से फैंस का दिल जीत लिया था।

टिकिट

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या खाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

वंदे मातरम् के 150 वर्षः एकता का उत्सव

1870 के दशक में बंगाल के महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 'वन्दे मातरम्' लिखा। इसे उन्होंने 7 नवम्बर 1875 को अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' (1882) में शामिल किया। यह गीत संस्कृत और बंगला-दोनों भाषाओं में लिखा गया था। संगीतकार जदुनाथ भट्टाचार्य ने इसे राग देश में स्वरबद्ध किया। भारत का राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' इस वर्ष अपनी रचना के 150वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 7 नवम्बर 2025 का यह दिन केवल एक गीत की वर्षगांठ नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय चेतना का उत्सव है जिसने सोए हुए भारत को जगाया था। यह गीत शब्दों से परे एक भावना है- भक्ति और स्वाधीनता का संगम, जिसने पराधीनता की घोर अंधेरी रात में आशा का दीप प्रज्वलित किया। 'वन्दे मातरम्' वह स्वर है जो साहित्य से आगे बढ़कर भारत की आत्मा बन गया, जिसने जन-जन के हृदय में यह विश्वास जगाया कि मातृभूमि ही सर्वोच्च

राम गोपाल सैनी

आराध्या है-और उसकी सेवा, जीवन का सबसे पवित्र धर्म।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर 'मन की बात' में कहा-वन्दे मातरम्... इसमें कितनी भावनाएँ, कितनी ऊर्जा समाई है। यह हमें माँ भारती के मातृत्व का अनुभव कराता है। यह हमारे हृदय की तरंगों का उद्गार है, एक ऐसा मंत्र जो 140 करोड़ भारतीयों को एकता की ऊर्जा से जोड़ता है। उन्होंने देशवासियों से #VandeMataram150 अभियान के माध्यम से इसे जन-जन का उत्सव बनाने का आह्वान किया। 'वन्दे मातरम' दो संस्कृत शब्दों से मिलकर बना है। 'वन्दे' शब्द संस्कृत धातु 'वन्द्' से निकला है, जिसका अर्थ है - स्तुति करना, नमन करना या सम्मानपूर्वक प्रणाम करना। यह धातु ऋग्वेद मंडल 10, सूक्त 151, मन्त्र 4 में मिलती है- देवा वन्दे मनुष्याः। (अर्थात् - मनुष्य देवताओं की वन्दना करते हैं।) यहाँ वन्दे शब्द का प्रयोग प्रणाम और स्तुति के भाव में हुआ है। 'मातरम्' शब्द का अर्थ 'माँ' या 'जननी' है, जो यहाँ मातृभूमि अर्थात् भारत माता के लिए प्रयुक्त हुआ है। इस प्रकार 'वन्दे मातरम्' का अर्थ है- हे माँ, तुझे प्रणाम। यह केवल एक भाषिक संरचना नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की गहराई में निहित मातृभक्ति, श्रद्धा और देशप्रेम का अमर प्रतीक है। 1870 के दशक में बंगाल के महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 'वन्दे मातरम्' लिखा। इसे उन्होंने 7 नवम्बर 1875 को अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' (1882) में शामिल किया। यह गीत संस्कृत और बंगला-दोनों भाषाओं में लिखा गया था। संगीतकार जदुनाथ भट्टाचार्य ने इसे राग देश में स्वरबद्ध किया। वन्दे मातरम् बंकिमचंद्र की मातृभूमि के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक था। उन्होंने इसमें भारत की नदियों, खेतों, फसलों और वनों को देवी के रूप में देखा-माँ दुर्गा, जो पालक भी है, रक्षक भी। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने सर्वप्रथम 'वन्दे मातरम्' को गाया। इस अधिवेशन की अध्यक्षता एक मुस्लिम नेता रहीमतुल्ला मोहम्मद सयानी ने की थी। उस समय यह गीत पूरे सभागार में राष्ट्रभावना का संचार कर गया। इसकी प्रतिध्वनि दक्षिण भारत तक पहुंची - तमिल कवि सुब्रमण्य भारती ने इसे तमिल में गाया, और पंतलु ने इसे तेलुगु में रूपांतरित किया। परंतु दुखद यह है कि समय के साथ राजनीति ने इस गीत को 'तुष्टिकरण राग' में बदल दिया। 1901 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिणरंजन सेन ने जब पियानो की धुन पर यह भजन गाया, तो उसकी गूंज पूरे सभागार में फैल गई। इसके बाद महात्मा गांधी ने Opinion पत्रिका में यह प्रस्ताव रखा कि वन्दे मातरम् को भारत का राष्ट्रगान घोषित किया जाए। गांधीजी ने लिखा-यह गीत भारत की आत्मा है; इसे गाना अपने देश के प्रति कर्तव्य का पालन है। कांग्रेस के काकीनाडा अधिवेशन में जब प्रसिद्ध संगीतज्ञ पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर ने 'वन्दे मातरम्' का गायन आरंभ किया, तो अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद जौहर अली ने आपत्ति जताई।

विराज फाउंडेशन ने चौमूं क्षेत्र में बढ़ते बंदरो के आतंक पर नियंत्रण हेतु सौंपा ज्ञापन

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूं क्षेत्र में लगातार बढ़ते बंदरों के आतंक से आमजन में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। बंदरों के झुंड गलियों, छतों और बाजारों में उत्पात मचा रहे हैं, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी गंभीर समस्या को लेकर विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर के नाम उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि हाल ही में बंदरों के हमले से एक महिला की छत से गिरने पर मृत्यु हो चुकी है, जो कि प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि बंदरों को पकड़कर सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाए तथा नगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर स्थायी समाधान

सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान प्रदेश महासचिव बनवारीलाल शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एम.के. अग्रवाल, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नरेंद्र सोलंकी तथा चौमूं नगर अध्यक्ष डॉ. सीताराम कुमावत उपस्थित रहे।

साई बाबा की सजाई मनमोहक झांकी

चौमूं (हमारा वतन)। चौमूं तहसील के ईटावा भोपजी स्थित श्री शिर्डी साईं धाम मंदिर में साईं बाबा की मनमोहक झांकी सजाई गई। साईं भक्त शत्रुघ्न द्वारा फूलों से बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत ने बताया कि बाबा के दर पर जो भी सच्चे मन से आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सभी पर बाबा का आशीर्वाद बना रहे यही प्रार्थना है।

राजस्थान आदिम जाति सेवक संघ

14 नवम्बर स्थापना दिवस (वर्ष 1957-58) की हार्दिक शुभकामनाएं

संघ के उत्पादन व बिक्री केंद्रों एवं आदिवासी छात्रावासों की सूची

1. खादी ग्रामोद्योग भंडार, झालाना डूंगरी संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर।
2. खादी ग्रामोद्योग भडार, 249, इंदिरा बाजार जयपुर।
3. खादी ग्रामोद्योग भंडार, बांसवाड़ा रोड, प्रतापगढ़।
4. खादी ग्रामोद्योग भंडार, स्टेशन रोड, चित्तौडगढ़।
5. खादी ग्रामोद्योग भवन, हिरण मगरी, उदयपुर।
6. खादी ग्रामोद्योग मंडार, नाडाखाडा, बापू बाजार, उदयपुर।
7. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, सुखेर उदयपुर।
8. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, सलूम्बर, जिला- सलूम्बर ।
9. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं उत्पति केंद्र, सेमारी, जिला-सलूम्बर ।
10. खादी ग्रामोद्योग भंडार, उत्पति केंद्र एवं आदिवासी छात्रावास, चावंड, जिला- सलूम्बर ।
11. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, ऋषभदेव, जिला-उदयपुर।
12. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, पिंडवाड़ा, जिला-सिरोही।
13. खादी ग्रामोद्योग भंडार, उत्पति केंद्र एवं आदिवासी छात्रावास, शाहाबाद, जिला-बारां।
14. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं उत्पति केंद्र, मांगरोल, जिला- बारां ।
15. खादी ग्रामोद्योग भंडार, पीलीकोठी, बारां ।
16. खादी ग्रामोद्योग भंडार एवं आदिवासी छात्रावास, बूंदी।
17. खादी ग्रामोद्योग भंडार, बीकानेर।
18. खादी ग्रामोद्योग भंडार, उत्पति केंद्र एवं आदिवासी छात्रावास, बडी सादड़ी, जिला चितौड़गढ़।
19. खादी वस्त्रागार, जयपुर।
20. खादी वस्त्रागार उदयपुर।
21. ऊनी खादी वस्त्रागार, बीकानेर।
22. आदिवासी छात्रावास, नाना, जिला पाली।
23. आदिवासी छात्रावास, अरनोद, जिला-प्रतापगढ़।
24. आदिवासी छात्रावास, लालसोट, जिला-दौसा।
25 आदिवासी छात्रावास, जहाजपुर, जिला-शाहपुरा।
26. आदिवासी छात्रावास, कानोड, जिला-उदयपुर।
27. आदिवासी छात्रावास, कस्बाथाना, जिला-बारां।
28. आदिवासी छात्रावास, नाहरगढ़, जिला- बारां ।

अशोक शर्मा (अध्यक्ष)

निर्मला सहरिया (पूर्व विधायक), राजेंद्र अग्रवाल - उपाध्यक्ष

डॉ. अवध प्रसाद- कोषाध्यक्ष

शंकरलाल अहारी (पूर्व विधायक), भुवनेश शर्मा गौड़- मंत्री

पता - प्लॉट नंबर 2, झालाना डूंगरी संस्थानिक क्षेत्र, राजस्थान पत्रिका के सामने, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004
फ़ोन : +911412703321/ फैक्सः +911412704438
E mail: adimjatijpr@yahoo.com/ Website: www.rajss.org

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादकः सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा।